14. A, D, S कोग्रल.—C, N व्रजा, the others व्रजमाग॰.—C, D, N, G तार्घलिप्त्यां.—15. C once, N *prima manu*, and S उज्जयनी, the others उज्जयिनी, all but N om. Anusvára.—S, E पारिपात्रकान्.—N कुंत्य.—16. S विप्राश्रमिणिभि॰; N अग्नि for अग्र्य.—17. C हत्तीनां for वार्त्तानां.—S, E बुध्रे, C once the same, once बुध्न्ये.—18. All भ्टतः, changed by me into भ्टताः—S inserts after 18, E after 19, and D after 20, the following meaningless distich: एकचंचरो वर्षाच्छुभप्रदो द्विभगतिश्च मध्यफलदः। त्रिभगतिरशुभकरो दिनकरतनयो विनिर्दिष्टः.—19. A, S (अ) तिरोद्र for (अ) तिघोर, G विरोध.—21. S, G वैदूर्य.—C शुभकृत.

CHAPTER XI.

4. A ॰राद्ये ऽन्तरि॰, B ॰येषु ये ऽन्तरि॰.—S om. ते.—6. B, D, N आधूमिते, E आधूपने.—7. G हश्यः फलपाकस्तस्य तावतो मासान्; E ॰पाकाः—A, S वर्षाणि for अब्दांश्च, D, N अब्दानि.—8. C, N स्निग्ध ऋजु, G स्निग्धरुचिर, the others स्नग्धस्तु ऋजु.—E शुक्रः—E अतिवृष्टिः, the others but N, G अभिवृष्टः—9. D, E चूडा.—12. A, S (अ) पि for च.—14. C हिमरजत.—16. एतद् om. in E, N, G;—D has एकं.—17. A, S, N सौम्येशा॰.—18. C once कनिक, once कनक, G नरक, E जनक.—19. S अधिकाः—20. G सुचरु for शुक्ल.—G पापाः सुस्त्ले॰.—21. D, E कुंकुम.—24. S, E श्यावारुणा.—S, G वायुसुताः, A originally the same, but *sec. manu* ॰स्ते वायोः, like B, N.—G पापास्ते सप्तसप्ततिः; A om. सप्त.—25. A, S, B, D, N द्वे तु.—N, S चतुरस्रा.—27. All but A, S पुंड्रा for चंडा; C takes पुंड्र for the name of the people, but in a quotation from Garga it is manifest that पुंड्र is another name for these Ketus; hence the error.—30. A on the margin, and S पठित for प्रोक्त.—31. N, E, G सधूम.—33. A, S, and G *prima manu*, जलकेतुः, N वल्लकेतुः.—A, S दैर्घाम् (sic).—A, S उपयाति.—34. A, C एव, om. च, S इव om. च.—35. N देवकाम्.—36. A, S, E रोगवृष्टिदुर्भिक्षैः.—38. C, A, S, G ॰दो तथाधिकं.—39. B, N, E, and once C, गतिः—40. E च for तु G (अ) पि.—A on the margin, and N दत्त—41. S दिव्यंतरिचभूमा, A the same but दिव्यां॰ —42. G तरुशिखरेषु.—A, S दर्शनमुपैति, E दर्शनमुपयाति.—43. All but C शिखो.—44. B, and once C सस्रक्षा.—46. E, and N *sec. manu* चानतया.—52. All but C पान् श॰.—After 52 the following is inserted by A, and after 53 by G, S: गगनाद्वैचारी (A॰ रात्) सद्यः प्रधानदेशान्विनाशयेद्चिरात्। सकल (G निखिल) गगनानुचारी त्रैलोक्यविनाशनः (G ॰शकः) केतुः—54. A, S हंति.—All but S सूर॰.—55. A, S जलचरजीवाधिपं.—S चौशीनरपं, om. अपि.—56. G